सृष्टि चक्र

ओं इत्येकाक्षरं ब्रह्म
ॐ हिरण्यगर्भ: समवर्तताग्रे भूतस्य जात: पतिरेक आसीत्।
स दाधार पृथिवीं द्यामुतेमाम् कस्मै देवाय हविषा विधेम!
डी.ए.वी.पी. (भारत सरकार) द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

पंजीयन संख्या: UTTHIN/2006/17322
डाक पंजीयन संख्या: यू.ए./डी.ओ./दे.दून/291/2024-26

वर्ष-20 अंक-02 साप्ताहिक हरिद्वार (उत्तराखण्ड) बृहस्पतिवार 5 जून 2025 पृष्ठ-4 मूल्य 1 रूपया

उत्तराखंड को डिजिटल टैलेंट केन्द्र बनाने के लिए हुआ समझौता :धामी

एस. गुप्ता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के उपस्थिति में सचिवालय में तीन महत्वपूर्ण समझौते किये गये। उत्तराखंड सरकार, सेतु आयोग और टाटा ट्रस्ट ने सामाजिक विकास के क्षेत्रों में कार्य के लिए समझौता किया गया। उत्तराखंड को टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भारत का प्रमुख कौशल केंद्र बनाने की दिशा में सेतु आयोग, उच्च शिक्षा विभाग, तकनीकी शिक्षा विभाग और नैस्कॉम/आईटी-आईटीईएस सेक्टर स्किल काउंसिल के बीच त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। राज्य को उभरती टेक्नोलॉजी और छात्रों के रोजगार परक व्यक्तित्व विकास के लिए कौशल विकास केंद्र बनाने के लिए भी सेतु आयोग, उच्च शिक्षा विभाग और वाधवानी फाउंडेशन के बीच त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। उत्तराखंड में सामाजिक और आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने के लिए टाटा ट्रस्ट के साथ 10 साल के लिए किए गए समझौते के तहत जल प्रबंधन,

पोषण, टेलीमेडिसिन, ग्रामीण आजीविका और ग्रीन एनर्जी जैसे क्षेत्रों में मिलकर काम किया जाएगा। उत्तराखंड को टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में प्रमुख कौशल केंद्र बनाने के लिए नैस्कॉम के साथ हुए समझौते के तहत राज्य के सभी सरकारी और निजी उच्च शिक्षण संस्थानों में कोर्सेस को शैक्षणिक क्रेडिट के साथ शामिल किया जाएगा और प्रत्येक जिले में एक मॉडल कॉलेज को 'मेंटर संस्थान' के रूप में विकसित किया जाएगा। इसका उद्देश्य राज्य के लगभग 1.5 लाख छात्रों को फ्यूचर स्किल्स प्राइम प्लेटफॉर्म के माध्यम से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डाटा साइंस, साइबर सिक्योरिटी, पायथन, जनरेटिव जैसे क्षेत्रों में जानकारी और कौशल विकास करना है। उत्तराखंड को उभरती टेक्नोलॉजी और छात्रों के रोजगार परक व्यक्तित्व विकास के लिए कौशल विकास केंद्र बनाने हेतु वाधवानी फाउंडेशन के साथ तीन वर्षों के लिए किये गये समझौते के तहत राज्य के सभी सरकारी उच्च शिक्षण संस्थानों में कोर्सेस को अगले सत्र से शैक्षणिक क्रेडिट के साथ शामिल किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य राज्य के लगभग 1.20 लाख छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस आधारित व्यक्तित्व विकास और स्वरोजगार सम्बंधित कौशल विकास में सहायता प्रदान करना है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सामाजिक विकास, राज्य को डिजिटल टैलेंट का केन्द्र बनाने और एआई आधारित व्यक्तित्व विकास के आधुनिक कोर्स प्रारंभ करने के लिए आज हुए तीनों समझौते राज्य के लोगों के लिए अत्यधिक उपयोगी होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तरखण्ड को हर क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए राज्य सरकार द्वारा समाज के अंतिम छोर के लोगों को ध्यान में रखते हुए योजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। राज्य के समग्र विकास के लिए हर क्षेत्र और वर्ग के लोगों को साथ लेकर अनेक नई पहल की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये समझौते उत्तराखण्ड में आधुनिक कौशल से परिपूर्ण मानव संसाधन को तैयार करने और राज्य को आधुनिक एआई व साइबर सिक्योरिटी हब बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। एआई अधारित पाठ्यक्रम उत्तराखंड को युवा छात्रों को रोजगार परक कौशल बढ़ाने और 21वीं सदी के लिए सॉफ्ट स्किल विकास की दिशा में कारगर साबित होगा। मुख्यमंत्री ने राज्य में किये गये इन तीन महत्वपूर्ण समझौतों के लिए टाटा ट्रस्ट, नैस्कॉम और वाधवानी फाउन्डेशन का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, सेतु आयोग के उपाध्यक्ष राज शेखर जोशी, मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, सीईओ सेतु आयोग शत्रुघ्न सिंह, टाटा ट्रस्ट के सीईओ सिद्धार्थ शर्मा, नैस्कॉम स्किल काउंसिल की सीईओ श्रीमती अभिलाषा गौड़, वाधवानी फाउन्डेशन के एक्जीक्यूटिव वीपी सुनील दहिया, उच्च शिक्षा सचिव रंजीत सिन्हा, सचिव श्रीमती राधिका झा, नितेश झा, चन्द्रेश यादव, वी षणमुगम, सी. रविशंकर उपस्थित थे।

सेतु आयोग ने किया नीति आयोग के स्टेट सपोर्ट मिशन के तहत क्षेत्रीय सम्मेलन का सफल आयोजन

एस. गुप्ता

देहरादून। सेतु आयोग ने देहरादून में नीति आयोग के स्टेट सपोर्ट मिशन के तहत एक क्षेत्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। इसमें देश के 10 राज्यों के संस्थागत प्रतिनिधि और राज्य योजना/परिवर्तन आयोग के अधिकारी शामिल हुए। इस सम्मेलन में नीति आयोग के वरिष्ठ अधिकारी, राज्य परिवर्तन संस्थानों के प्रतिनिधि, विषय विशेषज्ञ और अन्य महत्वपूर्ण लोग मौजूद रहे। इस मौके पर राज्यों में जमीनी स्तर पर असर दिखाने वाली नीतियों और नए-नए विचारों को बढ़ावा देने के लिए चर्चा की गई, ताकि सरकार की योजनाओं को और बेहतर तरीके से लागू किया जा सके। सम्मेलन में मुख्य अतिथि डॉ. विजय सारस्वत ने कहा कि 'विकसित भारत' का सपना, विकसित राज्यों से ही शुरू होता है। उन्होंने बताया कि राज्यों की नीतियों का उनके अपने हालात और जरूरतों के हिसाब से बनना बहुत जरूरी है, ताकि हर किसी का विकास हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि कई राज्यों में संसाधनों की कमी एक बड़ी चुनौती है, और स्टेट सपोर्ट मिशन का उद्देश्य इन्हीं चुनौतियों को दूर करना है, ताकि राज्य अपने स्तर पर मजबूत बन सकें और बेहतर फैसले ले सकें। उन्होंने तथ्यों पर आधारित नीति बनाने और उसे सही तरीके से लागू करने की जरूरत पर भी जोर दिया। उपाध्यक्ष सेतु आयोग राज शेखर जोशी ने राज्यों की विकास रणनीतियों और प्रधानमंत्री के विकसित भारत 2047 के विजन के तहत राज्यों की लक्ष्य बढ़ाने के लिए कौशल विकास की अहमियत बताई। उन्होंने आपसी सहयोग, तकनीक, सरकारी योजनाओं के अच्छे क्रियान्वयन और लगातार निगरानी की जरूरत पर भी जोर दिया। मुख्य सचिव आनंद बर्धन ने विकसित और सशक्त उत्तराखंड के विजन को हासिल करने के लिए डेटा आधारित जिला योजना की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने सेतु आयोग से अनुरोध किया कि वह इस पहल को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाए। यह सम्मेलन विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में एक अहम कदम है, जिसमें राज्यों को मजबूत बनाना, नए-नए विचारों को अपनाना और सरकारी योजनाओं की डिलीवरी को बेहतर बनाना मुख्य उद्देश्य रहा। केंद्र लगातार राज्यों को सलाह दे रहे हैं कि वे अपने यहां नीति आयोग जैसी संस्थाएं बनाएं, ताकि योजना आयोग की जगह ये नई संस्थाएं ले सकें। कार्यक्रम की शुरुआत सेतु आयोग के स्वागत भाषण से हुई, उसके बाद नीति आयोग और उत्तराखंड सरकार के प्रतिनिधियों ने अपने विचार रखे। सम्मेलन में बेहतर गवर्नेंस, डेटा पर आधारित फैसले, डिजिटल बदलाव और कल्याणकारी योजनाओं के बेहतर समन्वय पर तकनीकी सत्र हुए। अलग-अलग राज्यों के अधिकारियों के बीच बातचीत से साझा समस्याओं के समाधान और मिलजुल कर सोचने का मौका मिला। चर्चा के दौरान संस्थाओं को मजबूत करने और लोगों की क्षमता बढ़ाने के लिए आपस में जानकारी बांटने के तरीके तय किए गए। आगे बढ़े हुए राज्यों के अच्छे उदाहरणों से बाकी राज्यों को भी नए तरीके अपनाने में मदद मिलेगी। जमीन पर असर लाने वाली नीतियों को लागू करने के लिए ठोस एक्शन पॉइंट्स भी तय किए गए। यह सब प्रधानमंत्री के विकसित भारत 2047 के सपने को साकार करने की दिशा में राज्यों की सक्रिय भागीदारी को मजबूत करने के लिए किया गया है। सेतु आयोग, उत्तराखंड का एक उभरता हुआ प्रमुख नीति अनुसंधान संस्थान (थिंक टैंक) है, जो राज्य के समग्र विकास के लिए कई क्षेत्रों में काम कर रहा है। आयोग का मुख्य उद्देश्य है- नीति और ज़मीनी हकीकत के बीच की दूरी को पाटना, नवाचार और रिसर्च को बढ़ावा देना और सभी हितधारकों के बीच बेहतर तालमेल बनाना। आयोग ने कृषि सप्लाई चेन, किसान सलाह, बकरी पालन में नई तकनीक, महिला सशक्तिकरण, इलेक्ट्रिक वाहन नीति, आईटी इंडस्ट्री नीति, स्टार्टअप्स को बढ़ावा, कौशल विकास, शहरी प्रशासन और उच्च शिक्षा जैसे कई क्षेत्रों में काम शुरू किया है। सेतु आयोग का यह प्रयास राज्य में भागीदारी, नवाचार और असरदार नीति लागू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। सम्मेलन में मुख्य कार्यकारी अधिकारी शत्रुघन सिंह समेत कई गणमान्य लोग शामिल हुए।

सम्पादकीय

सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल

ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है के क्रम में भारत सरकार ने जिन सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के कुल 59 सदस्य जिनमें विभिन्न दलों के 51 सांसद और 8 राजदूत शामिल थे को भेजा। जिसमें एनडीए के 31 एवं कांग्रेस सहित 2 अन्य दलों के हैं।उन्होंने जिस तरह से 33 देशों में जाकर भारत का पक्ष रखा तथा ऑपरेशन सिंदूर की विस्तार से जानकारी साझा कर पाकिस्तान को एक बार फिर से दुनिया के सामने बेपर्दा किया उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाएं वह कम है। एक तरफ हमारी सेनाओं ने पाकिस्तान को उसके घर में घुस कर मारा और आतंकियों को मिट्टी में मिला दिया। वही दूसरी तरफ मोदी सरकार की जिस विशेष रणनीति के तहत भारत का सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विभिन्न देशों की यात्रा पर गया था वह अब वापिस लौट रहा हैं लेकिन हम अपने नेताओं खास कर विपक्षी दलों के शशि थरूर, के.कनिमोझी,असदुद्दीन ओवैसी,सुप्रिया सुले और प्रियंका चतुर्वेदी,आनंद शर्मा ने पाकिस्तान की पोल खोली और उसके हर झूठ की खिल्ली उड़ाई उससे हर भारतीय को गर्व हो रहा है। खास कर शशि थरूर और असदुद्दीन ओवैसी ने तो आतंकिस्तान को तो धोबी पछाड़ की तरह धो डाला। झूठिस्तान अब दुनिया भर में कटोरा लेकर भीख मांगता फिर रहा है। केंद्रीय संसदीय मंत्री किरेन रिजिजू के एक मिशन,एक संदेश,एक भारत वाले इस कथन को हमारे सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने सही सिद्ध कर दिया है। देश की राजनैतिक पार्टियों में मोदी सरकार को लेकर कितना ही विरोध क्यों ना हो परंतु संकट की घड़ी में जिस प्रकार से सभी एक जुट हो भारत सरकार के साथ खड़े रहे। इसी का परिमाण तो इस सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल की सफलता में साफ-साफ दिखाई दे रहा है। वहीं छलबाज तथा कॉप्टिस्तान को समझ ही नहीं आ रहा है कि वह अब क्या करें। हम तो चाहते हैं कि देश और दुनिया के सामने पाकिस्तान इसी तरह नंगा होता रहे, तभी तो एक दिन वह खुद ही दुनिया के नक्शे से गायब हो जायेगा!

विश्व साइकिलिंग दिवस पर छमनिया और टनकपुर में साइकिल रैली का आयोजन

रमेश राम

चंपावत। विश्व साइकिलिंग दिवस के अवसर पर चम्पावत जनपद के छमनिया और टनकपुर में फिट इंडिया मूवमेंट एवं खेलो इंडिया अभियान के अंतर्गत साइकिल रैली का आयोजन किया गया। इस आयोजन में स्थानीय नागरिकों, युवाओं एवं स्कूली बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे जनमानस में स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण एवं सतत जीवनशैली के प्रति जागरूकता का संदेश प्रसारित हुआ। छमनिया में आयोजित रैली का सफल संचालन कोच मोहन राणा के मार्गदर्शन में हुआ, वहीं टनकपुर में यह कार्यक्रम अवनेश पाटनी एवं गौरव खोलिया के दिशा-निर्देशन में सम्पन्न हुआ। प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह एवं जोश के साथ साइकिलिंग करते हुए स्वस्थ भारत - सशक्त भारत का संदेश दिया। इस अवसर पर आयोजकों द्वारा न केवल शारीरिक स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और हरित परिवहन के प्रति प्रेरित किया गया, बल्कि लोकतांत्रिक भागीदारी को सशक्त बनाने हेतु मतदान संबंधी जागरूकता का भी प्रसार किया गया। उपस्थित लोगों को यह संदेश दिया गया कि मतदान एक नागरिक का अधिकार ही नहीं, बल्कि कर्तव्य भी है, और स्वस्थ लोकतंत्र के लिए सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है।

लोक कलाकारों को मिलेगा दुर्घटना बीमा

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश में लोक संस्कृति के सम्वर्धन से जुड़े सांस्कृतिक दलों के लोक कलाकारों के व्यापक हित में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति हेतु मार्ग दुर्घटना की स्थिति में लोक कलाकारों का दुर्घटना बीमा (इंश्योरेंस) किये जाने की घोषणा करते हुए निर्देश दिये हैं कि संस्कृति विभाग के सांस्कृतिक दलों का कार्यक्रम आवंटन एवं भुगतान संस्कृति निदेशालय से किया जाएगा।

नहीं बदला गया स्टेडियम का नाम, न फैलाए किसी प्रकार का भ्रम :वंदना कटारिया

अमित कुमार

हरिद्वार। भारतीय महिला हॉकी की स्टार खिलाड़ी वंदना कटारिया ने उनके नाम पर रखे गए वंदना कटारिया हॉकी स्टेडियम के नाम पर फैलाई जा रही भ्रांति पर स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि वह मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से 30 मई को देहरादून में मिली हैं और इस प्रकार का कोई शासनादेश या आदेश जारी नहीं हुआ है, जिससे कि स्टेडियम का नाम बदला जाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री धामी स्वयं खेलों को बढ़ावा देने का काम कर रहे हैं। शनिवार को प्रेस क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए पद्मश्री और अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी पूर्व कप्तान वंदना कटारिया ने बताया कि कुछ लोगों ने वंदना कटारिया हॉकी स्टेडियम का नाम बदलने की बात बताई थी। इसे लेकर वे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मिली तो पूरी स्थिति स्पष्ट हो गई है। केवल परिसर का नाम योगस्थली रखा गया है। स्टेडियम के नाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि खेलों को बढ़ावा देने के लिए केंद्र और राज्य सरकार ने खेलों को बढ़ावा देने के लिए उत्तराखंड में राष्ट्रीय खेल का आयोजन किया। खेल और खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए तमाम योजनाएं भी संचालित की जा रही है। उन्होंने स्टेडियम के नाम पर बेवजह राजनीति न करने की सलाह भी दी। पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद ने कहा कि कुछ लोग अपने नाम चमकाने के लिए मुद्दाविहीन राजनीति कर रहे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जिस स्टेडियम का नाम स्वयं रखा हो उसे कैसे बदलवा सकते हैं। कहा कि प्रदेश में खेल नीति बनाकर खिलाड़ियों के लिए तमाम छात्रवृत्तियां लागू कराकर खेल और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने का काम रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज देश में एससी, एसटी वर्ग के मंत्री, सांसद, विधायक के साथ जनप्रतिनिधि भाजपा के हैं।

फर्जी डिग्री धारी चिकित्सकों कार्रवाई करें सरकार :आशु मलिक

एस. गुप्ता

हरिद्वार। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जिला संयोजक एवं गुरुकुल कांगड़ी विश्व विद्यालय के छात्र आशु मलिक ने फर्जी डिग्री के आधार पर चिकित्सक बन अस्पतालों में काम कर रहे झोलाछाप चिकित्सों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। प्रेस क्लब में पत्रकार वार्ता के दौरान एबीवीपी के जिला संयोजक आशु मलिक ने आरोप लगाया झोलाझाप डाक्टर लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे है। आशु मलिक ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग एवं सरकार को फर्जी डिग्री के आधार पर चिकित्सा सेवा में लगे लोगों की उच्च स्तरीय जांच करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि गंभीर विषय यह है कि कुछ चिकित्सालय फर्जी डिग्री प्राप्त करने वाले झोलाछाप चिकित्सकों से अस्पताल में सेवाएं भी ले रहे हैं। ऐसे अस्पतालों पर भी स्वास्थ्य विभाग को कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए। जानकारी करने पर अस्पताल प्रबंधन ऐसे चिकित्सकों को प्रशिक्षु बताते हैं। जबकि प्रशिक्षण सरकारी अस्पतालों में कराया जाता है। स्वास्थ्य विभाग को फर्जी डिग्री प्राप्त कर अपने आप को चिकित्सक बताने वाले लोगों के खिलाफ वृहद स्तर पर अभियान चलाकर ऐसे चिकित्सकों का सत्यापन करना चाहिए। आशु मलिक ने कहा कि लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विभिन्न अस्पतालों में इस तरह के फर्जी डिग्री हासिल करने वाले चिकित्सकों की तैनाती की शिकायतें आ रही है। अवगत कराने के बाद भी स्वास्थ्य विभाग चुप्पी साधे हुए हैं। शायद विभाग बड़ी अनहोनी का इंतजार कर रहा है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद फर्जी डिग्री लेने वालों के खिलाफ शहर भर में जागरूकता अभियान चलाएगी।

जोड़ मेले से पहले धुनाघाट मार्ग से पीरूल हटाया गया

रमेश राम

धुनाघाट। जिलाधिकारी नवनीत पांडे के निर्देशानुसार आगामी जोड़ मेले की तैयारियों के अंतर्गत देवीधुरा वन क्षेत्र के धुनाघाट अनुभाग के अंतर्गत धुनाघाट बीट में सफाई कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। फायर टीम द्वारा धुनाघाट - रीठा साहिब मोटरमार्ग पर दोनों ओर 10 मीटर क्षेत्र में पीरूल की सफाई की गई, जिससे आग की संभावनाएं कम हों और मेला क्षेत्र में आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि मेले में आने वाले हर यात्री की सुरक्षा व सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके अंतर्गत सफाई व्यवस्था के साथ-साथ यातायात, चिकित्सा, पानी, शौचालय एवं आपातकालीन सेवाओं को भी बेहतर करने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए गए हैं। प्रशासन की ओर से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि मेला क्षेत्र में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते दुरुस्त कर दी जाएं ताकि श्रद्धालुओं को एक सुरक्षित एवं सुगम वातावरण मिल सके।

मां साध्वी ऋतंभरा ने बालिकाओं के जीवन उत्थान के लिए अतुल्य कार्य किया:धामी

अमित कुमार

हरिद्वार। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हरिद्वार पहुॅचकर वात्सलय गंगा आश्रय लोकार्पण किया तथा श्री कृष्ण कथा में प्रतिभाग करते हुए साधु सन्तों का आशीर्वाद प्राप्त किया और पतित पावनी माँ गंगा की आराधना कर समस्त प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की भी प्रार्थना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देवभूमि उत्तराखंड में बाहर से आए सभी महानुभावों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने दीदी मां साध्वी ऋतंभरा को बहुत बधाई देते हुए कहा कि उनके द्वारा जो प्रकल्प चलाए जा रहे हैं, उनके बारे में जितना कहा जाए उतना ही कम है।उन्होंने कहा कि दीदी मां के द्वारा कम कहकर-ज्यादा काम करना, दीदी मां से सीख सकता है, आत्मसात कर सकता है, उनका सान्धिय प्राप्त कर सकता है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि साध्वी दीदी मां ऋतम्भरा के नेतृत्व में निराश्रित बेटियों को नव जीवन देने का जो दिव्य कार्य हो रहा है, वह समाज में आशा, करुणा और पुनर्निर्माण का सशक्त प्रतीक है। उनके प्रकल्प से अनेक बेटियों का जीवन सकारात्मक दिशा में परिवर्तित हुआ है। यह वास्तव में समाजसेवा की प्रेरणादायी मिसाल है। उन्होंने ने वात्सल्य ग्राम यात्रा का स्मरण करते हुए बताया कि दीदी मां के कार्यक्रम में प्रतिभाग किया था, वात्सल्य ग्राम में देखा कि कितनी बेटियां-बेटे इंजीनियरिंग, डॉक्टरी कर रहे हैं, कोई अपने अन्य पढ़ाई भी कर रहे हैं, तमाम प्रकार की डिग्रियां ले रहे हैं।वास्तव में दीदी मां द्वारा जीवन को बदलने का काम दीदी मां के प्रकल्पों और संकल्पों के द्वारा हो रहा है। उन्होंने अपने जब लखनऊ विश्वविद्यालय में पढ़ाई के दौरान जब राम जन्म भूमि आंदोलन चल रहा था उस समय एक सभा में दीदी मां उद्बोधन सुना और

सच में मेरे जैसे हजारों लाखों लोगों ने आपके उद्बोधन से आपके भाषणों से और उसे समय आपने संघर्ष किया उस संघर्ष को जिन्होंने देखा, उसे दिशा में प्रेरित हुए, दीदी मां हमारे सनातन की ध्वजा वाहिका है, पूरे सनातन को आगे ले जाने का काम आपके माध्यम से हो रहा है। श्री धामी ने भगवान तथा मां गंगा से प्रार्थना की कि दीदी मां स्वस्थ रहे, और लंबे समय तक दीदी मां का आशीर्वाद मिलता रहे, समाज को आगे बढ़ाने का काम आपके माध्यम से लगातार होता रहे।उन्होंने कहा कि राज्य में सभी काम आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता यहां लागू हुई है तो दूसरे राज्य में भी हो सकती है। उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन तथा उनके सहयोग से देवभूमि उत्तराखंड अनेक प्रकार के कार्य हो रहे है। उन्होंने कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड से जैसे मां गंगा निकलती है और यहां से निकलकर पूरे देश को जल और जीवन देने का काम करती हैं इस प्रकार समान नागरिक संहिता की यह गंगोत्री उत्तराखंड से निकल गई है और आगे आने वाले समय में पूरे देश को इसका लाभ मिलने वाला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आदरणीय मोदी जी के नेतृत्व में पूरे देश के अंदर हमारे जो धार्मिक पुनरुत्थान है, उसका महा पर्व चल रहा है। उन्होंने कहा कि युग पुरुष पूज्य परमानन्द जी महाराज हो या दीदी मां जी ने अनेक संघर्ष किया और आगे बढ़ाया उसी का परिणाम है, देश के अंदर जहां हम सब चाहते थे कि श्री रामचंद्र जी का मंदिर बने और वहां भव्य और दिव्य मंदिर बन गया और प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में हमने देखा किस प्रकार से दीदी मां के भाव उस समय आए। उन्होंने कहा कि जब मंदिर की बात आती है सभी की आंखों में आंसू देखे, कितने संघर्षों के बाद मंदिर का निर्माण हुआ है। उन्होंने कहा कि पहले काशी विश्वनाथ में छोटा सा मार्ग भी अन्दर जाने के लिए नही मिलता था, अगर कोई महादेव का भक्त मां गंगा का जल लेकर जाता था तो उसको मार्ग नहीं मिलता था लेकिन अगर आज आप जाएंगे तो एक साथ कई लाखों लोग अंदर जा सकते हैं, कोई भी महादेव जी का भक्त मां गंगा का जल लेकर महादेव पर जलाभिषेक कर सकता है।उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की 2013 की आपदा बाद पूरा केदारनाथ क्षतिग्रस्त हो गया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में आज भव्य केदार और दिव्य केदार बन गया है। उन्होंने कहा कि और यह मौका भी हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद भागवान ने उन्हीं से ये काम करवाया। उन्होंने कहा कि भगवान बद्री विशाल का मास्टर प्लान पर काम हो रहा है, ऐसे अनेक काम मोदी जी की प्रेरणा एवं उनके आशीर्वाद से देवभूमि उत्तराखंड में कर रहे हैं। हरिद्वार-ऋषिकेश में गंगा कॉरिडोर बनाना या मां पूर्णागिरि धाम जहां शारदा मैया निकलती है शारदा मैया के तट के ऊपर मां पूर्णागिरि के धाम के आसपास शारदा कोरिडोर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभी चार धाम यात्रा चल रही है, चार धाम यात्रा का इस वर्ष लगभग 18 लाख श्रद्धालुओं एवं तीर्थ यात्रियों ने दर्शन कर लिए हैं। उन्होंने कहा कि बीते दिनों पहलगांव घाटन के कारण यात्रा को कुछ समय के लिए रोक दिया गया था वरना यह संख्या और अधिक होती। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि जितने यात्री, श्रद्धालु एवं भक्त आए उनकी यात्रा अच्छी हो, सब कुशल हो, सुरक्षित हो, उनकी सुरक्षा हमारे लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि बहुत अच्छी तरीके से यात्रा चल रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली -देहरादून, दिल्ली से हरिद्वार-ऋषिकेश हो यह सारे मार्ग हमारे तेजी से बन रहे हैं, आने वाले समय में एलीवेटेड सड़क का निर्माण पूरा होने वाला है और एलिवेटेड सड़क का काम पूरा होते ही हरिद्वार से दिल्ली तक की दूरी लगभग दो से ढाई घंटे में पूरी हो जाएगी, दिल्ली से हरिद्वार, देहरादून आने वाला व्यक्ति हवाई यात्रा नहीं करेगा। जौलीग्राण्ट एयरपोर्ट से अनेक शहरों के लिए फ्लाइटें चल रही हैं। उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प है कि देवभूमि उत्तराखंड की डेमोग्राफी न बदले और इसको लेकर हम काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में सनातन संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन हेतु उत्तराखंड सरकार कृत संकल्पित है। प्रदेश के मूल स्वरूप को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए लैंड जिहाद, लव जिहाद और थूक जिहाद जैसी विकृत मानसिकताओं के खिलाफ सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि देवभूमि का जो मूल अस्तित्व है, वह बचा रहना चाहिए, यह मेरा संकल्प है देवभूमि का संकल्प है। उन्होंने कहा कि देवभूमि के संकल्प को आगे बढ़ाएं के लिए अनेक ऐसे काम किये हैं और उन कामों को लगातार आगे बढ़ाने का काम कर हैं।दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बहुत अच्छा कार्य कर रहे हैं, यह दिल्ली के लिए प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड देवभूमि है और धामी पूरे देश के लिए प्रेरणा हैं। उन्होंने कहा कि जो भी अच्छी योजनाएं भाई अर्थात मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी लायेंगे वह दिल्ली में भी जायेंगी। यमुना के लिए जल और योजनाएं भी दिल्ली लेकर जायेंगे। उन्होंने कहा कि मां यमुना स्वच्छ हो, मां गंगा के चरणों में आकर अपने प्रण को पुनः दोहराया रही हूं। इस दौरान साध्वी दीदी मां ऋतम्भरा , युग पुरूष परमानन्द गिरी महाराज, आचार्य बाल कृष्ण, अखाड़ परिषद के अध्यक्ष महन्त रविन्द्रपुरी जी महाराज द्वारा भी सम्बोधन करते हुए अपने-अपने विचार व्यक्त किये। दिल्ली मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, युगपुरुष परमानंद गिरी महाराज, साध्वी ऋतंभरा, आचार्य बालकृष्ण,अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी,महानिर्वाणी पीठ के आचार्य महामंडलेश्वर विशोखानंद ,महामंडलेश्वर संतोषी माता,महामंडलेश्वर हरिचेतनानंद महाराज, साध्वी मैत्रीगिरी, विधायक मदन कौशिक, विधायक आदेश चौहान, विधायक प्रदीप बत्रा, मेयर किरण जेसल, जिलाधिकारी कर्मेन्द्र सिंह, एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल, उपाध्यक्ष एचआरडीए अंशुल सिंह, नगर आयुक्त नन्दन सिंह, अपर जिलाधिकारी दीपेन्द्र सिंह नेगी, दर्जा राज्यमंत्री देशराज कर्णवाल, डॉ.जयपाल सिंह चौहान, ओमप्रकाश जमदग्नि, शौभाराम प्रजापति सहित अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

विद्यार्थियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर किया गया सम्मानित

अमित गुप्ता

दौलतपुर(हरिद्वार)। दिल्ली पब्लिक स्कूल दौलतपुर में कक्षा 10वीं एवं 12वीं सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2025 में विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के उपलक्ष्य में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन विद्यालय सभागार में बड़े ही उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ किया गया। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि आदेश चौहान (विधायक, रानीपुर), डॉ. रचना जैन (प्रधानाचार्य, जूनियर विंग, एस.डी. पब्लिक स्कूल, मुजफ्फरनगर), प्रवीण कुमार (अभिभावक), रोटेरियन ललित सचदेवा, विद्यालय के प्रो-वाइस चेयरमैन विकास गोयल,

विद्यालय के निदेशक पीयूष जैन, श्रीमती नीरू जैन एवं प्रधानाचार्या श्रीमती पूनम श्रीवास्तव उपस्थित रहे। इस अवसर पर विद्यालय परिसर को रंग-बिरंगी सजावट और मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से जीवंत कर दिया गया। कक्षा 9वीं और 10वीं के छात्रों द्वारा प्रस्तुत 'घर मोरे परदेसिया' और 'नैनों वाले ने' पर आधारित अर्ध-शास्त्रीय नृत्य एवं गरबा नृत्य की सुंदर प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पुरस्कार वितरण के अंतर्गत विभिन्न श्रेणियों में विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।जिनमें 100: उपस्थिति, श्रेष्ठ मॉनिटर, विद्यालय गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी, उल्लेखनीय सुधार, विषय टॉपर्स, पद धारक, नृत्य, संगीत एवं कला में उत्कृष्ट योगदान शामिल रहे। कक्षा 12वीं में विज्ञान, मानविकी और वाणिज्य वर्गों में क्रमशः मानवी चौहान, ऐशानी अवस्थी एवं यशराज सेंगर ने सर्वोच्च प्रदर्शन कर ट्रॉफियाँ प्राप्त कीं। वहीं कक्षा 10वीं में वैष्णवी राणा, अनन्या श्रीवास्तव, इशिका शर्मा एवं श्रेयांश सारस्वत शीर्ष तीन स्थानों पर रहे। मुख्य अतिथि आदेश चौहान ने सभी छात्रों को उनकी उपलब्धियों पर बधाई दी तथा भविष्य में निरंतर मेहनत करते रहने की प्रेरणा दी। समारोह में उपस्थित अभिभावकों एवं शिक्षकों ने छात्रों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की। प्रधानाचार्या श्रीमती पूनम श्रीवास्तव ने समारोह के समापन पर कहा कि यह आयोजन न केवल छात्रों के आत्मविश्वास को प्रोत्साहित करने वाला रहा, बल्कि यह विद्यालय की शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्टता की दिशा में प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

प्रेस क्लब ने किया हिंदी पत्रकारिता दिवस समारोह का आयोजन

अमित गुप्ता।

हरिद्वार। पहलगाम में आतंकी घटना के बाद ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया भर में पराक्रमी भारत की छवि बनाई है और पाकिस्तान को माकूल जवाब देकर दुनिया में उसके दोगले चरित्र को उजागर किया। प्रेस क्लब द्वारा आयोजित हिंदी पत्रकारिता दिवस समारोह में मुख्य वक्ता पद्म भूषण देश के वरिष्ठ पत्रकार राम बहादुर राय ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय मीडिया की भूमिका को सकारात्मक बताया। कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सिंदूर ने पाकिस्तान के ऊपर बारूद का काम किया है और जिस तरह से भारत ने पाकिस्तान को जवाब दिया है।हिंदी पत्रकारिता दिवस समारोह के दौरान मुख्य वक्ता वरिष्ठ पत्रकार पद्म भूषण राम बहादुर राय ने ऑपरेशन सिंदूर की सराहना करते हुए मीडिया की भूमिका को सकारात्मक बताया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने से पहले और ऑपरेशन के बाद भारतीय मीडिया खासकर प्रिंट मीडिया ने बहुत बढ़िया कवरेज की है और बहुत सजग रही और मीडिया ने सकारात्मक भूमिका निभाते हुए न केवल भारतीय जनमानस को आश्वस्त किया और उन्हें प्रेरित भी किया कि वह सेना और सरकार पर भरोसा बनाए रखे। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने देश को दुनिया भर में पराक्रमी भारत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी घटना अन्य घटनाओं से कई मायनों में अलग रही है।

उन्होंने कहा कि पाक समर्थित आतंकियों ने पहलगाम घटना भारत के सहअस्तित्व, सद्भाव, सहिष्णुता और लोकतंत्र की भावना पर हमला था और उन्होंने इस घटना से यह संदेश देने की कोशिश की कि हिन्दू मुस्लिम और ईसाई एक साथ नहीं रह सकते। उन्होंने कहा कि पहलगाम की घटना में आतंक का नया स्वरूप दिखाई दिया। जबकि आतंकियों ने तीसरा संदेश यह देने की कोशिश की कि यह देश की धार्मिक स्वतंत्रता पर बड़ा हमला है और जिस सिद्धांत पर देश का विभाजन हुआ था वह बनावटी था। उनका संदेश साफ है कि दो देश दो कौम है। आतंकियों का तीसरा मकसद काश्मीर में पयर्टन और तीर्थाटन को पटरी से उतरने की कोशिश थी। उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए कहा कि पहलगाम की घटना के वक्त अगर कोई दूसरी सरकार होती तो पहलगाम की घटना के बाद जो कड़े फैसले लिए गए वह नहीं हो पाते और पूर्ववर्ती सरकारों की तरह हम न तो हमला करते बल्कि दुनिया से हस्तक्षेप करने को कहते। मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री व हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि जब-जब भी नारी के सम्मान पर आघात हुआ है तब तब देश ने एकजुट होकर कड़ा जवाब दिया है।उन्होंने कहा कि अपरेशन सिंदूर में सिंदूर ने बारूद का काम किया है और पाकिस्तान को उसकी हरकत का माकूल जवाब दिया गया। अब भविष्य में पाकिस्तान अगर फिर से इस तरह का दुस्साहस करेगा तो इससे भी भी खतरनाक परिणाम भुगतेगा। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत की अंतरात्मा से जुड़ा और भारत ने एकजुट होकर बता दिया कि महिलाओं के सम्मान से खिलवाड़ करने वाले का नाश कर दिया जाएगा। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में मीडिया की भूमिका की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि पत्रकारों ने सही खबरों को समाज तक पहुंचा कर उनके भीतर देशभक्ति का जज्बा भर दिया। समारोह की अध्यक्षता कर रहे जूना पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सिंदूर का एक नया रूप शौर्य, पराक्रम, पुरुषार्थ और प्रचंडता के रूप में दुनिया के सामने आया है और संयम, संस्कृत साहसी भारत का प्रतीक बना।उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में चार दिन में ही पाकिस्तान ने घुटने टेक दिए जो देश की सेना के अदम्य साहस और देश के नेतृत्व की प्रखरता और प्रतिबद्धता को दिखाता है। उन्होंने कहा कि इन चार दिनों में देश की एकता, अखंडता और वैचारिक समानता दिखाई दी। उन्होंने देशवासियों से कहा कि जल्द ही पीओके भारत का हिस्सा होगा। उन्होंने पाकिस्तान की परमाणु बम की गीदड़ भभकी पर चुटकी लेते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर से दुनिया के सामने आ गई कि जिन परमाणु बमों की पाक धमकी देता है वह तो उसके है ही नहीं और उनका नियंत्रण तो विदेशी ताकतों के हाथों में है। वरिष्ठ अतिथि डॉ एस. एस. जायसवाल ने पद्म भूषण राम बहादुर राय के सम्मान में एक कविता सुनाते हुए उनको समर्पित की। हिंदी पत्रकारिता दिवस समारोह में हरिद्वार के तीन विश्वविद्यालयों, संस्कृत विश्वविद्यालय, देव संस्कृति विश्वविद्यालय और गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के हिंदी पत्रकारिता संकाय के टॉपर छात्रों को स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। प्रेस क्लब के दो पूर्व दिवंगत वरिष्ठ पत्रकार मधुकांत प्रेमी स्मृति सम्मान उनके पुत्र पत्रकार अवनीश प्रेमी के साथ अतिथियों ने वरिष्ठ पत्रकार कौशल सिखौला को प्रदान किया। जबकि वरिष्ठ पत्रकार प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर पीएस चौहान स्मृति सम्मान उनकी पत्नी महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष संतोष चौहान के साथ अतिथियों ने युवा पत्रकार संदीप रावत को प्रदान किया गया। वरिष्ठ पत्रकार आदेश त्यागी के संयोजन में आयोजित समारोह का संचालन डा.रजनीकांत शुक्ला ने किया। प्रेस क्लब अध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी, महामंत्री दीपक मिश्रा ने सभी अतिथियों का शॉल ओढ़ाकर, गंगाजली, रूद्राक्ष की माला व स्मृति चिन्ह भेंटकर स्वागत किया। कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष कांशीराम सैनी, सांस्कृतिक सचिव आशु शर्मा, सुनील दत्त पांडेय, संजय आर्य, संजय रावल, श्रवण कुमार झा, रामचंद्र कन्नौजिया अमित शर्मा, अमित कुमार गुप्ता, डॉ हिमांशु द्विवेदी,मनोज खन्ना, बालकृष्ण शास्त्री, राहुल वर्मा, सुनील पाल, संदीप शर्मा, डॉ परविंदर सिंह, शिवा अग्रवाल, अविक्षित रमन, डॉ प्रदीप जोशी, अनिरूद्ध भाटी, रत्नमणी डोभाल, सूर्यकांत बेलवाल, रोहित सिखोला, ललितेंद्र नाथ, कुलभूषण शर्मा, आशीष मिश्रा, सुदेश आर्या, कुमकुम शर्मा, प्रतिभा वर्मा, राधिका नागरथ, डॉ रमेश खन्ना, गोपाल रावत, गुलशन नैय्यर, दीपक नौटियाल, टी सी भट्ट, शिवकुमार शर्मा, राधेश्याम विद्याकुल, राजेंद्रनाथ गोस्वामी, सुरेंद्र शर्मा, कुशलपाल सिंह चौहान, राजीव तुम्बडिया, मेहताब आलम, कुलदीप अग्रवाल,श्रीमती सीमा चौहान सहित अन्य पत्रकार साथी व भाजपा जिलाध्यक्ष आशु शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष संदीप गोयल, वरिष्ठ समाज सेवी सुधीर गुप्ता, शिक्षाविद् श्रवण कुमार शर्मा आदि अतिथि मौजूद रहे।

नगर निगम जमीन घोटाले में दो आईएएस और एक पीसीएस अधिकारी सहित कुल 7 पर गिरी गाज

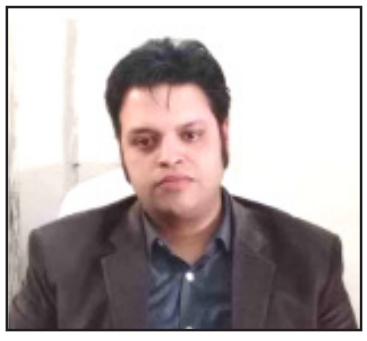

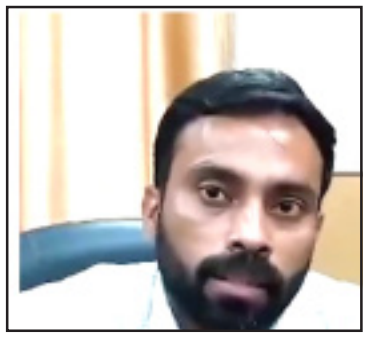

अमित कुमार

हरिद्वार। हरिद्वार में बहुचर्चित जमीन घोटाले में सरकार ने दो बड़े अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई कर दी है। डीएम कर्मेंद्र सिंह और आईएएस वरुण चौधरी को निलंबित कर दिया गया है। जांच के बाद पाया गया है कि जमीन खरीदने में अनदेखी और लापरवाही की गई है। उत्तराखंड में यह दूसरा मामला है जब किसी जिला अधिकारी को पद पर रहते हुए निलंबित किया गया हो। जांच में पाया गया है कि कैसे कम दामों की जमीन को अधिक दाम में खरीदा गया। जिसके लिए सरकारी 54 करोड का भुगतान किया गया। जबकि जमीन मात्र 11 करोड़ रुपए की है। वहीं इसी मामले में पीसीएस अधिकारी अजय वीर को भी किया गया है सस्पेंडाहरिद्वार नगर निगम द्वारा कूड़े के ढेर के पास स्थित अनुपयुक्त और सस्ती कृषि भूमि को 54 करोड़ रुपये में खरीदने के मामले ने राज्यभर में हलचल मचा दी थी। न तो भूमि की वास्तविक आवश्यकता थी, न ही पारदर्शी बोली प्रक्रिया अपनाई गई। शासन के स्पष्ट नियमों को दरकिनार कर एक ऐसा सौदा किया गया जो हर स्तर पर संदेहास्पद था। लेकिन इस बार मामला रफा-दफा नहीं हुआ। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराई और रिपोर्ट मिलते ही तीन बड़े अफसरों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। कर्मेन्द्र सिंह, जिलाधिकारी (डीएम), हरिद्वार- भूमि क्रय की अनुमति देने और प्रशासनिक स्वीकृति देने में उनकी भूमिका संदेहास्पद पाई गई। वरुण चौधरी, पूर्व नगर आयुक्त, हरिद्वार- उन्होंने बिना उचित प्रक्रिया के भूमि क्रय प्रस्ताव पारित किया और वित्तीय अनियमितताओं में प्रमुख भूमिका निभाई। अजयवीर सिंह, एसडीएम- जमीन के निरीक्षण और सत्यापन की प्रक्रिया में घोर लापरवाही बरती गई, जिससे गलत रिपोर्ट शासन तक पहुंची।इन तीनों अधिकारियों को वर्तमान पद से हटाया गया है और शासन स्तर पर आगे की विभागीय और दंडात्मक कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। इसके साथ ही निकिता बिष्ट (वरिष्ठ वित्त अधिकारी, नगर निगम हरिद्वार), विक्की (वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक), राजेश कुमार (रजिस्ट्रार कानूनगों), कमलदास (मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, तहसील हरिद्वार को भी जमीन घोटाले में संदिग्ध पाए जाने पर तुरंत प्रभाव से निलंबित किया गया है।जांच अधिकारी नामित करने के बाद इस घोटाले में नगर निगम के प्रभारी सहायक नगर आयुक्त रविंद्र कुमार दयाल, प्रभारी अधिशासी अभियंता आनंद सिंह मिश्रवाण, कर एवं राजस्व अधीक्षक लक्ष्मीकांत भट्ट व अवर अभियंता दिनेश चंद्र कांडपाल को प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने पर निलंबित कर दिया गया था। संपत्ति लिपिक वेदपाल का सेवा विस्तार भी समाप्त कर दिया गया था। सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें सेवा विस्तार दिया गया था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अमित कुमार ने अमर प्रिंटिंग प्रेस, मौहल्ला कड़च्छ, निकट-आईस फैक्टी, ज्वालापुर हरिद्वार से मुद्रित तथा श्री श्याम कुटीर, 29ए, निर्मल विंहार, मिश्रा गार्डन, कनखल, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)-249408 से प्रकाशित किया।

सम्पादक

अमित कुमार

मो. 094120255572

E-mail.

guptaamit1968 @gmail.com

guptasaransh11@gmail.com

कानूनी सलाहकार

के.पी.एस.चौहान

(एडवोकेट)

पंजीयन संख्याः UTTHIN/2006/17322

डाक पंजीयन संख्या यू.ए./डी.ओ. दे.दून/291/2024-26

नोटः-समस्त विवादों के लिये हरिद्वार न्याय क्षेत्र ही मान्य होगा सभी पद अवैतनिक है।